तारीख हुक्म	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज कैलाश —— कुन्दन वगैरा	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

मु0स0 102/2014 उनवानी कैलाश वगैरा बनाम कुन्दन वगैरा,

18/4/2016

पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष उप0 है। टी.आई0 प्रार्थना पत्र पर वकील उभयपक्ष को सुना जा चुका है। पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली मे प्रार्थीगण का कथन है कि अप्रार्थीगण उनके स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि ख0न0 18 ग्राम बाढखुर्द की पश्चिमी दिशा के मौके पर बनी हुई मिट्‌टी की डौल को तोडफोड कर बर्वाद नही करे और नाही पुख्ता बाउन्डरीबाल का निर्माण करे व अप्रार्थीगण ने प्रार्थीगण की मिट्‌टी की डौल बनाकर जो पुख्ता लेट्रिन का निर्माण किया है उसे जरिए आज्ञापक आदेश मौके से हटवाया जावे।

अप्रार्थीगण का कथन है कि उन्होने दिनांक 27.5.2002 को ख0न0 18 के पश्चिम मे श्रीमती सम्पत्ति बैरवा से भूमि व पाटोल पोश मकान खरीदा था उसके बाद रिहायस के लिए पुख्ता निर्माण व लेट्रिन बनबाई व छप्परपोश बनवाया व उसमे अप्रार्थीगण रहते आ रहे है। सन 2012 मे प्रार्थीगण ने अप्रार्थीगण के रास्ते को बंद कर दिया, पाटोरपोश मकान के पिछले हिस्से मे दक्षिण की ओर अप्रार्थीगण की भूमि मे दरवाजा निकाल लिया, मकान की पूर्वी सीमा पर बने डौल को हटा दिया। जब अप्रार्थीगण ने अपने स्वामित्व की भूमि मे पुख्ता दीवार बनाई तो उसके कुछ भाग को प्रार्थीगण ने दिनांक 20.11.2014 को तोड दिया। दिनांक 13.12.2015 को प्रार्थीगण ने धमकी दी कि वे अप्रार्थीगण की पुख्ता लेट्रिन व शेष बाउन्डरीबाल को तोडेगें। इसलिए प्रार्थीगण को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद फरमाया जावें।

प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र व अप्रार्थीगण के जबाब के अवलोकन के जबाब के पश्चात यह तथ्य सामने आता है कि दोनो पक्षों मे अपने अपने स्वामित्व की भूमि के सम्बन्ध मे जो कथन कहे है उनकी पुष्टि इस टीआई प्रार्थना पत्र मे किसी दस्तावेज से नही की है। ऐसी स्थिति मे अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र को एवं अप्रार्थीगण के काउन्टर क्लेम को स्वीकार करने का कोई औचित्य नही है। फलस्वरूप प्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र व अप्रार्थीगण की ओर से प्रस्तुत काउन्टर क्लेम अस्वीकार कर खारिज किये जाते है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर बाद तकमील मूल वाद के साथ संलग्न रहे।

उपखण्ड अधिकारी
गंगापुर सिटी (राज0)

Signature Not Verified
Digitally signed by Brijendra Meena
Date: 2026.05.20 16:00:56 IST
Reason: SelfAttested